

प्रारूप-11

कार्य का नाम :- जनपद टिहरी गढ़वाल में राज्य योजना के अन्तर्गत खजरा बैंजवाड़ी मोटर मार्ग के कि०मी० 04 से आगे बरसीला पोथ मंजुली तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य (लम्बाई 4.00 कि०मी०)।

जनपद टिहरी गढ़वाल में राज्य योजना के अन्तर्गत खजरा बैंजवाड़ी मोटर मार्ग के कि०मी० 04 से आगे बरसीला पोथ मंजुली तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु 4.00 कि०मी० लम्बाई हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति संयुक्त सचिव उत्तराखण्ड शासन के पत्र सं० 6970 / 111(2) / 13-40(प्रा०आ०) / 2013 दिनांक 14.12.2013 से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति रु० 31.12 लाख की प्राप्त हुई है।

उक्त मार्ग के नव निर्माण हेतु समरेखण अधीक्षण अभियन्ता 8वां वृत्त लो०नि०वि० नई टिहरी द्वारा उनके पत्रांक 8225 / 861सी०-८ / 2016 दिनांक 18.11.2016 से स्वीकृत है तथा संरेखण की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक विजय डंगवाल कार्यालय प्रमुख अभियन्ता लो०नि०वि० देहरादून दिनांक 03.06.2016 से प्राप्त है। उपरोक्त मार्ग के स्थल का संयुक्त निरीक्षण लो०नि०वि० एवं वन विभाग मणिकनाथ रेंज डांगचौरा एवं सम्बन्धित राजस्व उपनिरीक्षक व अन्य दावेदारों की ओर से प्रधान के साथ दिनांक 15.09.2016 में किये जाने के उपरान्त ही वन भूमि प्रस्ताव गठित किया गया है। वर्तमान में जिला मुख्यालय टिहरी जाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 707-A में पहुंचने हेतु ग्राम वासियों को 4.00 कि०मी० खजरा बैंजवाड़ी मोटर मार्ग से दुगड़ा सौड़ पिपलीधार मोटर मार्ग से होते हुये 19 कि०मी० की दूरी तय करनी पड़ती है। जिस कारण से लोगों को आवाजाही में समय अधिक लगता है, एवं अतिआवश्यक सेवाओं का लाभ उठाने में ग्राम वासियों को समय के साथ आर्थिक हानि भी होती है। साथ ही ग्रामवासियों के लोकल प्रोडक्ट मार्केट में नहीं आ पाते हैं, और काश्तकारों को उनकी फसल का मोटर मार्ग उपलब्ध न होने के कारण लाभ नहीं मिल पाता है। इस मोटर मार्ग के बनने से जहां लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा वहीं राष्ट्र की सम्पन्नता में भी वृद्धि होगी। इसलिये उक्त मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना अति आवश्यक है।

अतः उक्त मोटर मार्ग निर्माण हेतु प्रभावित होने वाली 1.7675 है० आरक्षित वन भूमि, 0.1050 है० सिविल वन भूमि, 0.00 है० वन पंचायत भूमि, अर्थात् कुल 1.8725 है० वन भूमि तथा 0.9275 है० नाप भूमि हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव स्वीकृति प्रदान किये जाने हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

वन अंत्री १९-१-१९
मणिकनाथ रेंज
डांगचौरा (स्टेट)

उप प्रभावित समिति
(स्टेट)
स्वेच्छन्तरण उन उपाय

सहायक अभियन्ता १९-१-१९
अ०ख० लो०नि०वि० श्रीनगर
मु० कीर्तिनगर।

प्रधानाद् विकासी
वरेन्द्रनगर के उपाय
मृणि-की-रेती

ब
अधिशासन अभियन्ता
अ०ख० लो०नि०वि० श्रीनगर
मु० कीर्तिनगर।